

—
८

10

UT

Cat. No. 373

Subject *Hymn* *Enix*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Folios 5

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS *NS 82 E Circa*

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

↓
श्री श्री स्कन्द पुराणे श्री सूर्य सप्तम नाम
सप्तमं ॥ ५० ॥

Remark टिप्पणी: कुकी न.सं. ८८८५५
अन्तिम नमस्तेनमः, आशा: रिपोर्ट

Individual debts and credit
due are noted in this
column

३७३

द्वादशमत्मा समरुथागात्क नारु स्या नखगशसून
पुनकन ४४॥ मा लोकवकुगु हंजन ४॥ लोक
८४॥ लोक साकी ते तपाविषम तनुविशगुमि
रुसगी वृंशु सुवलि सुमहा नलिषा ॥ द्रुमति
हृदि दसैका गोनुमानो यना ४॥ नशकन्दो ४॥
दव द्रुगु ४॥ न्यू वा वृषांक पि ४॥ प्रकवकु न

मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित
उद्यममि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित
कलियुक्त मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित
कलियुक्त मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित
कलियुक्त मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित

पुन्यसूर्यस्य नाम मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित
मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित
मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित
मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित
मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित मि शुभमन्द हारित

5

01

काच नून मिष्टं ॥ ४॥ दूर्वा कृत्तं नृत्तं ॥
 निक्षिप्यैः पातुमस्वर्गं ॥ ४॥ दद्याद्दत्तं मन
 र्थाय स विभुश्चानन्दकैः । उयमोल्लि
 समानीयते त्यागुना न्यदृशुना ॥ प्रति
 मं तु न मस्कृयाद्दद्यात्समथनविना ॥

5

नयानामसफला महामुनिरुस्यया ॥ ४॥
 कर्त्तव्यमाया तु न दत्तिता न दः स्वर्गा कं । द्या
 विनिर्मयं न द्यात्तु यि जन्मा कुर्वन्
 जिनि ॥ ४॥ विना वल्ले विना वेद्ये विना
 पथ्यवनि ॥ ४॥ कालं निवेनं प्राफ ॥ ४॥

0

centimeter 5

10

15

2

5

10

5

0

centimeter 5

10

15

20



ला के महीय त ॥ ॐ ति छी स्कन्द ध्यायेत् छी सुख
सफतिनामं समा. ॥ ॐ नमः ॥ ॐ ॥

१ मा हा न टं का ३१ मिलं द्रु या क दू का या मि ति र्ध व
सू क ४ स म्ब न ६ २६ मा हा न टं का १० ध न मि
य या न य ला मि ति र्ध व सू क ८

१ मा हा न टं का २१ स लं मूल स म्ब न य ला मि ति र्ध व सू
क १० स म्ब न ६ २६

5

01

5

0

श्रीगणेश सायकन

श्रीगणेश सा

centimeter 5

10

15

20